Two-day National Seminar on
'Teacher Education and NEP 2020: Prospects and Challenges'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 11-06-2024**

शिक्षक शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यक : प्रो. दीप्ति धमार्णी

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धमार्णी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय

शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र वश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। साथ ही साथ जिस तरहसे तकनीकी विकास देखने को मिल रहा है, उसके परिणात स्वरूप शिक्षकों में नए बदलावों के प्रति स्वीकार्यता भी जरूरी है। कुलपति ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में कहा कि यह नीति मूल रूप से व्यवहारिकता की पक्षधर है और विषय की समझ को विकसित करने के लिए व्यवहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण को महत्त्व प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए तकनीकी दक्षता, विषय का ज्ञान और उसकी व्यवहारिक समझ आवश्यक है और इसी के माध्यम से नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने सेमिनार के विषय में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय सेमिनार के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. बी.पी. यादव सहित शिक्षक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 11-06-2024**

कार्यक्रम

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत, कुलपति ने किया शुभारंभा, कहा-

तकनीक व परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार को शिक्षक शिक्षा व राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

हकेंवि में प्रो. दीप्ति धर्माणी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। स्रोत : हकेंवि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। साथ ही साथ जिस तरह से तकनीकी विकास देखने को मिल रहा है, उसके परिणाम स्वरूप शिक्षकों में नए बदलावों के प्रति स्वीकार्यता भी जरूरी है।

आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रो. गौरव सिंह, हकेंवि के पूर्व प्रो. वीएन यादव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आरएस यादव उपस्थित रहे। शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 11-06-2024**

शिक्षक शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यकः प्रो. दीप्ति धर्माणी

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दीप्ति ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा व मूल्यवर्धित शिक्षा के समावेश को भी आवश्यक बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 11-06-2024**

शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है : प्रो. दीप्ति

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह, हकेंवि के पूर्व प्रोफेसर वीएन यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आरएस यादव उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय सेमिनार के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार समन्वयक डा. रेनु यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. बीपी यादव सहित विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. दीप्ति धर्माणी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 11-06-2024**

मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यक : दीप्ति धर्माणी

महेंद्रगढ़ (हप्र): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह, हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।उद्घाटन सत्र को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 11 June 2024
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 11-06-2024**

शिक्षक शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यक- प्रो. दीप्ति धर्माणी

-हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप

आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दीप्ति ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा व मूल्यवर्धित शिक्षा के समावेश को भी आवश्यक बताया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। साथ ही साथ जिस तरहसे तकनीकी विकास देखने को मिल रहा है, उसके परिणात स्वरूप शिक्षकों में नए बदलावों के प्रति स्वीकार्यता भी जरूरी है। कुलपति ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में कहा कि यह नीति मूल रूप से व्यवहारिकता की पक्षधर है और विषय की समझ को विकसित करने के लिए व्यवहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण को महत्त्व प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए तकनीकी दक्षता, विषय का ज्ञान और उसकी व्यवहारिक समझ आवश्यक है और इसी के माध्यम से नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने सेमिनार के विषय में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय सेमिनार के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. बी.पी. यादव सहित शिक्षक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 11-06-2024**

शिक्षक शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यक-प्रो. दीप्ति धर्माणी

-हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महेंद्र भारती

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दीप्ति ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा व मूल्यवर्धित शिक्षा के समावेश को भी आवश्यक बताया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। साथ ही साथ जिस तरहसे तकनीकी विकास देखने को मिल रहा है, उसके परिणात स्वरूप शिक्षकों में नए बदलावों के प्रति स्वीकार्यता भी जरूरी है। कुलपति ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में कहा कि यह नीति मूल रूप से व्यवहारिकता की पक्षधर है और विषय की समझ को विकसित करने के लिए व्यवहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण को महत्त्व प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए तकनीकी दक्षता, विषय का ज्ञान और उसकी व्यवहारिक समझ आवश्यक है और इसी के माध्यम से नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने सेमिनार के विषय में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय सेमिनार के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. बी.पी. यादव सहित शिक्षक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 11-06-2024**

'बदली परिस्थितियों के अनुरूप जरूरी है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले'

महेंद्रगढ़, 10 जून (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति: संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दीप्ति ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा व मूल्यवर्धित शिक्षा के समावेश को भी आवश्यक बताया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। साथ ही साथ जिस तरह से तकनीकी विकास देखने को मिल रहा है, उसके परिणात स्वरूप शिक्षकों में नए बदलावों के प्रति स्वीकार्यता भी जरूरी है।

नवोदय टाइम्स Tue, 11 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75230608

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-06-2024**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना का महत्व बताया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शिक्षक शिक्षा व राष्ट्रीय शिक्षा नीति संभावना और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन किया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका व निईपा, दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा वर्चुअल उपस्थित रहे। प्रो. सुषमा यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए। शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13-06-2024**

राष्ट्रीय संगोष्ठी... आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान बढ़ाना चाहिए

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ में शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति: संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका तथा नि.ई.पा, दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए। मंच का संचालन व कार्यक्रम की रिपोर्ट डॉ. रेनु यादव ने प्रस्तुत की। अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने आयोजक प्रो. दिनेश चहल, आयोजन समिति, मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 13-06-2024**

'शिक्षकों को अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता'

प्रतिभागियों के साथ समकुलपति सुषमा यादव ● सौ. प्रवक्ता।

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका तथा निईपा, दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। समापन सत्र को संबोधित करते हुए समकुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों के गुणों व कार्यों को लेकर कहा कि आज के शिक्षकों को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए। समकुलपति ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है। मंच का संचालन डा. रेनु यादव ने प्रस्तुत की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 13-06-2024**

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में शिक्षकों व प्रतिभागियों के साथ समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका तथा नि.ई.पा दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई दी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों के गुणों व कार्यों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए।

प्रो. यादव ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है। आयोजन में मंच का संचालन व कार्यक्रम की रिपोर्ट डॉ. रेनू यादव ने प्रस्तुत की। अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम को आयोजित करने वाले आयोजक प्रो. दिनेश चहल, आयोजन समिति, मुख्य अतिथियों और देश भर से उपस्थित विषय विशेषज्ञों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News calling **Date: 13-06-2024**

A two-day National Seminar concluded in CUH

June 12, 2024 02:09 PM

A two-day National Seminar on Teacher Education and NEP 2020: Prospects and Challenges has concluded at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In the valedictory session of this seminar organized by Department of Teacher Education, the Pro-Vice Chancellor of the University Prof. Sushma Yadav was present as the chief guest. Prof. Nandita Shukla and Prof. Latika from Panjab University, Chandigarh and Prof. Pradeep Mishra from N.E.P.A. Delhi were present online in the program.

Prof. Sushma Yadav congratulated the organizers of the program and highlighted the importance of the concept of National Education Policy. Expressing her views on the qualities and functions of teachers, she said that today's teachers should increase their knowledge of new technologies and gain expertise, proficiency, efficiency and capacity in their subject expertise. Report of the program was presented by Dr. Renu Yadav. Prof. Parmod Kumar, Head of the Department expressed his gratitude to the organizer of the program, Prof. Dinesh Chahal, along with the organizing committee, the chief guests, experts and participants from across the country. Certificates were also awarded to the participants in the valedictory session.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 13-06-2024**

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 12 जून (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति: संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका तथा नि.ई.पा, दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई दी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों के गुणों व कार्यों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए। प्रो. यादव ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है।

आयोजन में मंच का संचालन व कार्यक्रम की रिपोर्ट डॉ. रेनु यादव ने प्रस्तुत की। अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम को आयोजित करने वाले आयोजक प्रो. दिनेश चहल, आयोजन समिति, मुख्य अतिथियों और देश भर से उपस्थित विषय विशेषज्ञों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

नवोदय टाइम्स Thu, 13 June 2024
https://epaper.navodayatime